६
द्वितीय सभा-सत्र

राष्ट्रीय समूह रूपरेखा एवं योजना
राष्ट्रीय समूह के प्रस्तुती से अंतिम सभा-सत्र आंरभ हुआ ।

अध्यक्ष : डा. महेश बाँसकोटा, सह निर्देशक, इसीमोड
उपाध्यक्ष : रैजा चौधरी, अफ्सरा चापागाईं और जोहरा खानम ।

भारत
हिमाचल प्रदेश
व्यक्तिगत प्रतिवद्धताएं
कुल भूषण उपमन्यू

मैं उन लोगों को एकतावद्ध करने की कोशिश करूंगा जो हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर करते हैं । लोगों को प्राकृतिक स्रोतों पर स्वामित्व के विषय में सचेत कराने के उद्देश्य से गाँवों के विभिन्न समुदायों के साथ संपर्क कराया जाएगा । मैं महिलाओं और युवा वर्ग को नेताओं को आगे लाने की कोशिश करूंगा और उन्हें सामाजिक कार्यों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करूंगा ।

स्व-प्रेरित समुदायों के बीच सामञ्जस्य स्थापित करने के लिए प्रयास करूंगा ।

मैं गाँवों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के लिए प्रयास करूंगा ताकि हम उपयुक्त नीति परिवर्तन की दिशा में आगे बढ सकें । मैं पंचायत संस्थाओं को गाँव स्तरीय प्रत्यक्ष प्रजातांत्रिक प्रणाली में कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा ताकि विभिन्न संस्थाओं के बीच सामञ्जस्य स्थापित हो । मैं स्थायी कृषि विकास कार्यक्रमों को अपने कृषि कार्यों के साथ जोड्ने का प्रयास करूंगा ताकि गाँव समुदाय स्वनिर्भर हो सकें और स्थायी पर्वतीय कृषि की ओर अग्रसर हो सकें ।

जस्सु देवी

इस कार्यशाला गोष्ठी के दौरान वन और प्रशासन संबन्धी जितनी भी जानकारियाँ मैंने प्राप्त की है, उन्हें मैं अपने क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध कराऊँगी । मैं महिला मण्डलों को अपने क्षेत्र में आमंत्रित करूंगी और वृक्षारोपण, वन संरक्षण, घास, ईंधन और टिम्बर संबन्धी जानकारियों को उन्हें उपलब्ध कराऊँगी । मैं वन विभाग के अधिकृतों से मिलकर उन्हें इन विषयों के प्रति संवेदनशील बनाने की कोशिश करूंगी । मैं पंचायत की बैठकों में दबायी गई महिलाओं के विषय में आवाज उठाऊँगी और पुरूषों और महिलाओं को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित करूंगी ।

रतन चंद

मैं लोगों को जल, वन और मिट्टी से संबन्धित स्थायी पर्वतीय विकास की और कार्य करने के लिए प्रेरित करूंगा । मैं लोगों को जल, वन, मिट्टी के संदर्भ में रोजगार आधारित योजनाओं के विषय में सूचित करने का प्रयास करूंगा । मैं लोगों को सरकार और दूसरी संस्थाओं के उन कार्यक्रमों के विरोध में आवाज उठाने के लिए प्रेरित करूंगा, जिनके तहत आधुनिकीकरण के नाम में उनके जमीनों पर कब्जा कर वन ह्रास को निमंत्रण दिया जाता है । मैं प्रत्येक स्तर के प्रतिनिधियों को कहने का प्रयास करूंगा कि गाँवों के लिए प्राकृतिक स्रोत विकास कार्यक्रम बनाते समय सकारात्म दृष्टिकोण अपनाए ।

पंचायतों के पुर्ननिर्माण के उद्देश्य से 'ग्राम सभा' की आयोजना कर सरकार को समझाने का प्रयास करूंगा कि वे इन्हें कानूनी इकाईयों के रूप में स्वीकार करें । इसे कार्यान्वित करने के लिए मैं सभी व्यक्तियों, सभी संस्थाओं जैसे कि महिला मण्डलों, युवा क्लबों, बुद्धिजीवियों और सरकारी कर्मचारियों को एकत्रित करूंगा । हम ऐसे लोगों को निर्वाचित करेंगें जो स्थानीय स्तर से प्रत्यक्ष रूप से संलग्न हों, जिससे कि वे स्थानीय समस्याओं का अनदेखा नहीं कर सकें । साथ ही साक्षरता कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने के लिए मैं लोगों को राजनीतिक और आर्थिक कार्यकलापों के प्रति सचेत कराऊँगा । एजेन्टों और दलालों से छुटकारा पाने के लिए मैं 'सहकारी समाजों' को मजबूत बनाने में प्रयत्नशील रहुँगा, ताकि लोग अपने उत्पादनों का उचित दाम प्राप्त कर सकें । मैं लोगों को समझाऊँगा कि वे सहकारी वनों का विकास करें जिनमें ऐसे वृक्ष लगाएं जाएं जो पशुओं के लिए चारा, फल, और दूसरे आय प्राप्त कराने वाले उत्पादन प्रदान करें । वानिकी पर आधारित छोटे-छोटे लेख, नाटक और दूसरे साहित्यिक कार्यों को लोगों को उपलब्ध कराए जाएंगे ।

अमित मित्रा

"मैं डाक्यूमेन्ट्री फिल्मों और शोध संबंधी कार्यों पर ध्यान दुँगा ।"

"मैं खास कर मशहूर (लोकोन्मुख) प्रेसों में लिखुंगा ।"
"मैं छोटे और बडे स्तरों पर लोगों को प्रशिक्षित करूंगा ।"
"मैं वानिकी को प्रचारित प्रसारित करूंगा ।"

हिन्दू कुश-हिमालय क्षेत्र में समुदाय नियंत्रण और प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन को सुनिश्चित करने के लिए योजना निर्माण कराने का प्रयास करूंगा । यह प्रयास समानता, स्थायित्व क्रियाशील सहभागिता और लैंगिक मुद्दों की ओर प्रतिबद्ध होगा ।"

सुभाष मेघपुरकर

"व्यक्तिगत रूप में"

मानवीय समाज और प्राकृतिक स्रोतों के बीच समझदारी के संबंध को बढाने के लिए कार्य करूंगा ।

"संस्था के रूप में"

- प्राकृतिक स्रोतों के उपयुक्त उपयोग के लिए पंचायत और ग्राम सभा के सदस्यों के बीच उत्साह और सचेतक मूलक कार्यक्रम के लिए प्रयत्नशील रहुँगा ।
- जमीन के ह्रास के कारण को समझने के लिए प्रयत्नशील रहुँगा और समाज के अच्छे के लिए भूमि के अधिक से अधिक उपयोग के लिए उपायों की सृजना करूंगा ।
- मैं ग्राम पंचायत और वन विभाग को छोटी-छोटी योजनाओं के माध्यम से संवेदनशील बनाने की कोशिश करूँगा, लोगों की खास कर महिलाओं की जरूरतों के लिए, योजनाएं ऐसी होंगी जो इनके प्रति जिम्मेवार हों ।

रमन देवी

"व्यक्तिगत रूप में"

पंचायत के प्रधान के हैसियत से मैं पंचायत एवं समुदाय को वृक्षारोपण के लिए प्रस्ताव-पारित करूंगी ।

"संस्था के रूप में"

मैं वापस जाकर सामुदायिक वन और महिलाओं की सहभागिता के विषय में पंचायत के सदस्यों से विचार विमर्श करूंगी । महिलाओं के बीच में चेतना फैलाऊँगी और उन्हें 'हिमवन्ती' तथा इसके सकारात्मक प्रभाव के विषय में भी बताऊँगी ।

सुखदेव विश्वप्रेमी

विकास और चेतना के प्रसार प्रचार की प्रक्रिया में ग्राम पंचायत के सभी गाँवों में ग्राम सभा को संलग्न करना आवश्यक है । ग्राम सभा निश्चित रूप से गाँव के प्रत्येक परिवार के एक महिला और एक पुरूष को सक्रिय सहभागिता के लिए शामिल करे, और इन्हें महिने में एक बार अवश्य मिलना चाहिए ।

मैं निम्नलिखित उद्देश्य से लोगों को अधिकार सम्पन्न करने की कोशिश करूंगा

- सहभागितामूलक प्रक्रिया के माध्यम से प्राथमिकता और उपभोक्ता के जरूरतों के आधार पर प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन के लिए कार्यक्रमों का विकास करूंगा ।
- समुदायों और उनकें दूसरे महत्वपूर्ण जरूरतों की प्राथमिकता के आधार पर एकीकृत, और जन आधारित कार्यक्रम बनाऊँगा ।
- प्रभावकारी परिचालन के लिए जनमूलक कार्यक्रम बनाऊँगा ।

ऐसे समयों पर जबकि जन-आधारित कार्यक्रम संबंधित अधिकारियों द्वारा पारित नहीं किए जाएंगे तब में लोगों को एकीकृत कर उन्हे अपने अधिकारों की मांग के लिए परिचालित करूंगा ।

सत्य प्रसन्न

'व्यक्तिगत रूप में'

- ऐसी खोज की ओर ध्यान दुंगा जिनके माध्यमों से अवस्था को अच्छी तरह से समझ जा सके और, स्थानीय समुदायों तथा विभिन्न विभागों के बीच अन्तर्सम्बन्ध को और अधिक विकसित करूंगा ।
- सम्पूर्ण स्थानीय समुदाय एकीकृत कर के एक बडे समुदाय के रूप में लाने के उद्देश्य से स्थानीय समूह के कार्यों को प्रोत्साहित करूंगा ।
- गाँव समुदाय स्वतंत्र रूप से कार्य करने के सक्षम हैं और, शक्ति संपन्न इकाईया हैं, इस उद्देश्य से कानून और नीतियों में परिवर्तन लाने के लिए वकालत (प्रयास) करूंगा ।
- स्थितिगत समझ और समीक्षा को इस प्रकार से विकसित करूंगा जिसके माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हो सके कि स्थानीय स्तर पर समुदाय के विकास के लिए किस प्रकार के ढाँचे और प्रणाली की आवश्यकता हैं ।
- आवश्यक सूचनाओं को एकत्रित कर तत्पश्चात उसे समुदाय संस्थाओं को उपलब्ध कराऊँगा ताकि वे पूर्ण रूप से सचेत हो सकें और उपयुक्त कार्यकलाप कर सकें ।

शोध कार्य करूंगा और, ऐसी नीतियों तथा संस्थागत रूप रेखा की समीक्षा करूंगा जो स्थानीय अर्न्तसबन्ध को विकसित करे तथा स्थायित्व प्रदान करे ।

आदर्श बाला

व्यक्तिगत रूप में

मैं उपभोक्ता समूह को गाँव तथा गाँव पंचायत के महिलाओं और पुरूषों में सचेतना फैलाने में मदद करूंगी । इस कार्य में उन्हें मनुष्य के जीवन में जल, वन और भूमि के महत्व को बताऊँगी ।

संस्थागत रूप में

गाँव के 'गाँव महिला समिति' के उप-प्रधान की हैसियत से मैं गाँव-वासियों को वृक्षारोपण के लिए प्रोत्साहित करूंगी । साथ ही पडोस के गाँव में भी इस बात के लिए उन्हे प्रोत्साहन दुंगी ।

- मैं लोगों को इस कार्यशाला के विषय में बताऊँगी और, इससे क्या प्राप्त किया इस विषय में भी उन्हें अवगत कराऊँगी । मैनें जो जानकारी प्राप्त किया है उसे अभ्यास में लाने का प्रयास करूंगी और आशा है कि लोगों के सोच में भी परिवर्तन आएगा ।
- महिलाओं के विकास को बढावा देने के लिए मैनें कार्यक्रम आयोजना करने की योजना बनायी है और, अपनी समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता को अपने गाँव में बढावा देने की कोशिश करूंगी ।

रामकी देवी

व्यक्तिगत रूप में

मैं गाँव वापस जाकर लोगों को बताउँगी कि मैने वन संरक्षण और, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन के संबंध इस कार्यशाला गोष्ठी में क्या सीखा हैं । मैं लोगों को अपनी समस्याओं को पहचानने में मदद करूंगी, ताकि वे वन उसके स्रोत और उसकी उपयोगिता को पहचान सकें ।

संस्था के रूप में

जब मैं अपने गाँव लौटुँगी तब इस कार्यशाला के विषय में बताऊँगी, और हम लोगों ने वन संरक्षण के लिए क्या योजना बनाया है, इसे भी लोगों को बताऊँगी । मैं लोगों

को अधिक से अधिक वृक्षों को लगाने के लिए प्रोत्साहित करूंगी । मैं लोगों को 'हिमवन्ती' के उत्साह वर्धक कार्य (जो कि गाँव की महिलाओं का स्थिति को उठाने से संबंधित है), के बारे लोगों को बताऊँगी । मुझे लगता है कि यह गाँव की महिलाओं को एहसास दिलाने में मदद करेगा कि वे भी सक्षम हैं ।

राज्य स्तर

'नव रचना' के माध्यम से सुभाष मेन्धुपुरकर ।

पंचायती राज और उससे संबंधित प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन में नीतियों के लिए वकालत और, वन गरीबोन्मुख हो, जिसमें वन उत्पादन से प्राप्त लाभांशों का वितरण हो ।

- समग्र दृष्टिकोण अपनाने को उद्देश्य से कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण ।
- प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन संबन्धी कार्यकलापों को परिचालन करने में समक्ष बनाने के उद्देश्य से ग्राम सभाओं और समितियों को मजबूत बनाना ।
- प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन संबन्धी एवं गाँव स्तरीय समस्या संबन्धी शोधकार्य, डाक्युमेन्ट्री फिल्म निर्माण: सूचना प्रसार-प्रचार ।
- वर्तमान कानून में समुदायों को स्थान देने के लिए प्रोत्साहित करना जैसे कि संयुक्त वन प्रबंध, पी.आर.आई., भारतीय वन कानून, वन सहकारी आदि ।
- 'नवरचना' का विकसित विषय वस्तु और वढी हुई संख्या में प्रकाशन ।
- समुदाय आधारित और प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन से संबंधित संस्थाओं को सहायता उपलब्ध कराना ।
- छोटे-छोटे उत्पादन जैसे कि चारा आदि को प्रोत्साहन देना ।

हिमाल प्रदेश के सहभागियों में थे, सुभाष मेन्धुपुरकर, कुलभूषण उपमन्यू, अमित मित्रा, जी.एस.गुलेरिया, सत्य प्रसन्न, रतन चंद, सुखदेव विश्वप्रेमी, श्रीमती जस्सुदेवी, श्रीमती रामकी देवी, आदर्शबाला, रमन देवी ।

उत्तर प्रदेश

व्यक्तिगत प्रतिक्रिया

<u>बंसती बेन</u>

मैं उत्तराखण्ड में महिलाओं के विकास के लिए कार्य करूंगी और 'वन उपभोक्ता समूह' को मजबूत बनाने की कोशिश करूंगी । दबायी एवं सताई हुई महिलाओं को 'हिमवन्ती' के माध्यम से उत्साहित करूंगी ।

राधा भट्ट

'वन उपभोक्ता समूह' और वन पंचायत में तृण-मूल स्तर की महिलाओं के प्रतिशत को बढ़ाकर ५० प्रतिशत तक करने का प्रयास करूंगी, ताकि वन से संबंधित मुद्दों पर अपना दबाव डाल सकें । इसके लिए हम महिलाओं के बीच चेतना फैलाने का प्रयास करेंगे ।

चण्डी प्रसाद भट्ट

प्राकृतिक स्रोत संरक्षण और लोगों के जीवन के विकास से संबंधित नीतियों के योजनाओं और परिचालन में मैं महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करूंगा ।

रमेश पहाडी

'दशोली ग्राम स्वराज मण्डल' के 'पिपुल्स कम्यूनिकेशन एण्ड हेल्प सेन्टर' का पत्रकार एवं समन्वयक होने के नाते मैं निम्न लिखित बूंदो पर काम करूंगा ।

- लोगों के बीच चेतना पैदा करना ।
- समुदाय के लोगों को कानूनी मुद्दों के प्रति सचेत करना
- महिलाओं को एकत्रित करने के उद्देश्य से प्रत्येक गाँव में 'महिला मण्डल दल' का निर्माण करना ।
- प्रत्येक गाँव का अपना वन हो, इस दिशा में आंदोलन करना ।

मैं निर्वाचित प्रतिनिधियों को पंचायत से संबंधित कानूनी बूँदों के प्रति सचेत करने का प्रयास करुंगा । इन दिनों मैं सरकारी संस्थाओं को परिचालन का काम कर रहा हूं । साथ ही मैं विकास संबंधित योजनाओं की गुणवत्ता के प्रति भी सचेत हूँ । भविष्य में मैं इन परियोजनाओं को सम्पूर्ण हिन्दू कुश-हिमालय क्षेत्र में फैलाने की कोशिश करूंगा ।

राकेश शर्मा

- उत्तराखण्ड में वन पंचायत बनाने के लिए लोगों में चेतना जगाना ।
- उत्तराखण्ड में काम करने वाले सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों को सहभागी प्रक्रिया के अनुसार काम करने के लिए प्रेरित करना ।
- उत्तराखण्ड के विकास कार्य में महिलाओं को भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करना ।
- इस कार्यशाला गोष्ठी में प्राप्त किए गए अनुभवों को सबके साथ बांटना ।
- स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वन संस्थाओं के बीच एकरूपता लाने वाले शोध कार्य की ओर अग्रसर होना ।

शैला रानी रावत

"मैं महिला मण्डल दलों को एकत्रित करूंगी और समूह बैठकों में नियमित रूप से भाग लेने की कोशिश करूंगी । वन उपभोक्ता समूह के माध्यम से मैं उन लोगों के विरूद्ध आवाज उठाऊँगी, जो वन नष्ट कर रहे हैं, चाहे व्यक्ति हो, संस्था हो, या सरकारी विभाग हो । उत्तराखण्ड में वन सें संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दुंगी । 'गाँव विकास समिति' के बैठकों में मैं वन पंचायत के अध्यक्ष को आमंत्रित करूंगी । मैं महिला समूहों के सहयोग से अनउपयोगित जमीनों पर वृक्षारोपण संबन्धी कार्यक्रमों की योजनाओ की शुरूआत करूंगी ।

सावित्री देवी विष्ट

मैंने जो कुछ भी इस कार्यशाला गोष्ठी में सिखा है उसे मै दूसरों के साथ बांटुगी और 'महिला मण्डल दलों' तथा वन पंचायतों के बीच समन्वय लाने की कोशिश करूंगी । 'महिला मण्डल दल' की नेतृ होने के हैसियत से मैं उन लोगों के विरूद्ध कारवाही करूंगी जो वन ह्रास में संलग्न हैं ।

रैजा चौधरी

पत्रिकाओं और 'महिला मण्डल दलों' के माध्यम से मैं निर्वाचित इकाईयों और वन उपभोक्ता समूह में महिलाओं की 50 प्रतिशत सहभागिता हो, इसकी कोशिश करूंगी । उत्तराखण्ड में वन पंचायतों को कानूनी अधिकार प्राप्त हो इसके लिए वकालत करूंगी, ताकि वे प्रशासन पर दबाव डाल सकें ।

पुश्किन फुर्तियाल

निम्नलिखित व्यवहारिक अभ्यासों में मैं इस कार्यशाला गोष्ठी में प्राप्त अनुभवों को लागू करने की कोशिश करूंगा ।

- नए वन पंचायतों के निर्माण में परियोजना अधिकृत के नाते इनमें महिलाओं की सहभागिता निश्चित करने की कोशिश करूंगा ।
- 'यू.पी. एकेडमी ऑफ एडमीनिस्ट्रेशन' के भविष्य के कार्यशाला गोष्ठी के दौरान मैं वन पंचायत के नेताओं के साथ वन स्रोतों के संरक्षण के विषय में विचार विमर्श करूंगा ।
- मैं लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हूँ, इसलिए भविष्य में मैं प्राकृतिक स्रोतों पर केन्द्रित लेख लिखुंगा ।
- मैं लोगों को अपने अधिकारों के प्रति सचेत करूंगा और जितना हो सकेगा वन स्रोतों के व्यवस्थापन के लिए आर्थिक सहयोग भी जुटाऊँगा ।

हेम गइरोला

वे लोग जो वन और उसके व्यवस्थापन पर निर्भर करते हैं, उनके क्षमता वर्धन से संबंधित शोधकार्यों में सक्रिय रूप से भाग लुंगा । साथ ही लोगों के अधिकार के विषय में निरंतर आवाज उठाऊँगा । वन उपयोग से संबंधित विवादों को खतम करने के उद्देश्य से दूसरों की सहायता लेकर मध्यस्थ समूहों का निर्माण करूंगा ।

हेमा राना

"मैं ग्राम पंचायत और वन पंचायत के बीच में एकरूपता लाने की कोशिश करूंगी । वन पंचायत में महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित करूंगी और दबायी, एवं पिछडी हुई महिलाओं को वन पंचायत में आमंत्रित करूंगी । मैं ग्राम पंचायत के माध्यम से लोगों के लिए रोजगार जुटाने की कोशिश करूंगी ।"

कलावती देवी

मैं अपने गाँव की महिलाओं को 'महिला मण्डल दलों' की बैठकों में शामिल होने के लिए समझाऊँगी और दूसरे गाँवों में भी महिला मण्डल दल बनाने की कोशिश करूंगी ।

- मैं वन संबंधि आन्दोलनों को मजबूत बनाती रहुँगी और वन संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध रहुँगी ।
- मैं लोगों को प्राकृतिक स्रोत से संबंधित अपने अधिकारों के विषय में आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करूंगी ।
- मैं उत्तराखण्ड की महिलाओं को समझाऊँगी कि वे प्रतिनिधि निर्वाचित संस्थाओं में भाग लें ।

बौनी देवी

दूसरी महिलाओं के साथ मैं गाँव-गाँव घुमुंगी और महिला संस्था बनाऊँगी । शिक्षित पुरूष भी यदि मदद के लिए इच्छुक हों तो उनका स्वागत है । मैं महिला की संस्थाओं को इस कदर मजबूत बनाना चाहती हूँ कि वे किसी भी विभाग के द्वारा उपेक्षित न हों । चुंकि पुरूषों के शराब की आदतों के कारण महिलाएं परेशान रहती हैं, इसलिए मैं महिलाओं के साथ मिलकर समाज के इस दुश्मन को समाप्त करने के लिए आंदोलन शुरू करूंगी ।

संस्थागत स्तर

दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल

दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल पिछले चार दशकों से सामान सामाजिक रूप और सम्पूर्ण ग्राम स्वराज्य के सपने को साकार करने में कार्यरत है । साथ ही प्राकृतिक स्रोत संरक्षण भी इसके मुख्य कार्यों में से एक है । इसके लिए :

- यह कैम्प और कार्यशालओं का आयोजन करता रहा है ताकि हम वानिकी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सचेत रहें ।
- महिलाओं और दलित वर्गों में नेतृत्व की शक्ति जगाने के लिए सचेतता फैला रहा है, और, महिलाओं को एकत्रित करता रहा है ।
- प्रत्येक गाँव में वन को विकसित करने में संलग्न रहा है ।
- प्रशिक्षण कैम्पों की आयोजना के माध्यम से सामान्य लोगों को उनके अपने अधिकारों से परिचित कराता रहा है । उनकी क्षमता को बढाकर तथा उन्हें शक्ति सम्पन्न कर प्राकृतिक स्रोत संरक्षण और व्यवस्थापन में उन्हें सक्षम बनाता रहा है ।

'दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल' इन कार्यों को निरंतर करता रहेगा और साथ ही इस कार्यशाला गोष्ठी से प्राप्त अनुभव से भी लाभान्वित होगा । जो लोग इच्छुक हैं उनके साथ सूचना खास कर विज्ञान संबंधि, और तकनीकि पक्षों का आदन-प्रदान करेगा । विकास और पर्यावरण संरक्षण के साथ गाँव स्तरीय संस्थाओं का संबंध और भी प्रभावकारी रूप में हो इसलिए इन संस्थाओं के बीच और अधिक समन्वय स्थापित किया जाएगा । अंत में स्थानीय, क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तरीय कोशिशों का अध्ययन किया जाएगा और साधारण लेकिन विश्वसनीय, जनोन्मुख तकनीकियों का विकास और प्रसार किया जाएगा ।

'दशोलगी ग्राम स्वराज्य मण्डल' में निम्नलिखित सहभागी थे - रैजा चौधरी, कलावती देवी, बौनी देवी, सावित्री देवी, चण्डी प्रसाद भट्ट, शैलारानी रावत, और रमेश पहाडी ।

उत्तराखण्ड

शैलारावत द्वारा प्रस्तुति

इस कार्यशाला गोष्ठी में प्राप्त अनुभवों को बांटने के लिए नैनीताल अगस्त्यमुनी, और गढवाल, में विकास अध्ययन केन्द्र और उत्तरप्रदेश अकादमी प्रशासन के तत्वावधान में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी । उत्तराखण्ड में वन पंचायत, महिला मण्डल दल और दूसरी स्वतंत्र संस्थाए तथा प्रतिनिधियों को 'ईसीमोड' निर्देशन स्थान और

सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के कार्यप्रणाली को समझने के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा । 'विकास अध्ययन केन्द्र' और 'उत्तर प्रदेश अकादमी प्रकाशन' इसकी पहल करेंगे ।

हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों स्थानों में उपयुक्त कुछ रूप रेखाएं

निर्वाचित/राजनीतिक प्रतिनिधि	• खास कर पी.आर.आई.के स्तर प्रतिनिधियों द्वारा अच्छी तरह से काम नहीं करने की स्थिति में साधारण जन सहमति से उन्हें वापस बुलाने के अधिकार के लिए प्रयत्न करने की रूप रेखा का अनुसरण
लिङ्ग समानता	• प्रत्येक स्तर पर महिलाओं की अधिक से अधिक सहभागिता के लिए आंदोलन (परिचालन) • लडकी बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा खास कर उन क्षेत्रों में जहां खुले दृष्टिकोण वाले प्रतिनिधि काम करते हों और जहाँ गैर-सरकारी संस्थाएं हों । • समान संम्पत्ति अधिकार • पुरूषों को शिक्षा
सहभागी वन व्यवस्थापन	• वडे और धीमी गति वाले संस्थाएं जैसे कि सं.व.प्र. के विरोध में परिचालन • सक्रिय सहभागी वन व्यवस्थापन का वृत्तचित्र तैयार करना और इस प्रकार की सूचनाओं का प्रसार-प्रचार करना ।

संस्थागत स्तर

क्षेत्रीय पंचायत

क्षेत्रीय पंचायत के स्तर पर, पंचायती राज संस्थाओं और वन व्यवस्थापन संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित कर, पाँच वर्षों के भीतर इन संस्थाओं को मजबूत बनाने की ओर अग्रसर होना । (हेम गइराला, पंचायत सेवा समिति, पौडी, गढवाल ।)

अन्तर्देशीय स्तर

अनुभव बांटने के लिए प्रोत्साहन देना । प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन समूह और तृण-मूल स्तर के प्रजातांत्रिक निर्वाचित इकाईयों को शक्तिसम्पन्न करने में सहयोग देना ।

नेपाल

विजय राज पौड्याल द्वारा प्रस्तुत

नेपाल के देशीय समूह के सभी सहभागियों से यह आग्रह किया गया कि वे अपनी व्यक्तिगत योजनाओं और प्रतिबद्धता को लिखें । तत्पश्चात सहभागी तीन समूह में विभाजित किए गए सरकारी एजेन्सी, स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि, और वन उपभोक्ता समूह ने इस पर विचार विमर्श किया कि किस प्रकार अपनी संस्थागत रूप रेखाओं और योजनाओं को तैयार करें । जब ये तैयार हो गईं तब सहभागी एक बडे समूह में संस्थागत योजनाओं के विषय में विचार विमर्श करने के लिए और राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय योजनाओं और रूपरेखाओं को तैयार करने के लिए एकत्र हुए ।

व्यक्तिगत प्रतिबद्धता

अपसरा चापागाई

मेरी व्यक्तिगत योजनाएं निम्न लिखित हैं

- इस कार्यशाला गोष्ठी में प्राप्त अनुभवों को अपने गाँव में प्रचारित करूंगी और, महिलाओं को शक्ति सम्पन्न करने और उनमें चेतना लाने में संलग्न रहुंगी ।
- वन कानून और नियमों और समस्याओं और समाधानों को खोजनें की कोशिश करूंगी ।
- स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और 'सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह' के बीच समन्वय को बरकरार रखने में मदद करूंगी ।
- मैं पारदर्शिता बरकरार रखने की कोशिश करूंगी ।

कुमार योञ्जन

"मैं निम्नलिखित उद्देश्य से वन उपभोक्ता समूह को मदद पहुँचाऊँगा

- यह निश्चित करना कि वन उपभोक्ता समूह द्वारा आर्जित आय वन उपभोक्ता समूह को ही जाए

- स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के बीच समन्वय को बढाना
- उनके कार्यक्रमों का मूल्यांकन"

माया देवी खनाल

मैं अन्याय के विरूद्ध लडती रहुंगी और महिलाओं को उनके प्रकृतिक स्रोतों के प्रति कानूनी अधिकार के विषय में सूचित करूंगी । साथ ही उन्हें सम्पत्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उनके अधिकार से उन्हें अवगत कराऊँगी । मैं दूसरी संस्थाओं के साथ काम करूंगी और उनके दृष्टिकोण को लोगों में प्रचारित करूंगी । यदि प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी तो में हमेशा इसे उपलब्ध कराने के लिए तैयार रहुँगी ।

सानू कुमार श्रेष्ठ

"सामुदायिक वन व्यवस्थापन में स्थायी विकास लाने के लिए वन उपभोक्ता समूह और निर्वाचित संस्थाओं के बीच बचे हुए अन्तराल को खतम करना होगा । इसे कार्यान्वित करने के लिए मैं सहयोग करूंगा और निम्नलिखित को बढावा दुगा ।"

- असली वन उपभोक्ताओं की पहचान ।
- साधारण उपभोक्ताओं के सहमति का निर्माण । वन उपभोक्ता समूह को कानूनी तौर पर मजबूत बनाना ताकि उपभोक्ता सरकार के मंशा से भयभीत नहीं हों, अर्थात एक बार हस्तांतरण हो जाने के बाद पुन: अधिग्रहण का डर नहीं हो ।
- सामुदायिक वन के विकास के उद्देश्य से श्री ५ के सरकार 'गाँव विकास समति' को जो बजट उपलब्ध कराती है, उसे वन उपभोक्ता समूह को भी मिलना चाहिए ।
- वन उपभोक्ता समूह के आय को तीन महिने या 6 महिने में प्रकाशित किया जाना चाहिए । और साथ ही इस आय का 'गाँव विकास समति' द्वारा वर्ष में एक बार लेखा-परिक्षण होना चाहिए ।

भूमि रमन नेपाल

मैं समन्वय समिति के निर्माण में मदद करूंगा जिसमें स्थानीय निर्वाचित तथा वन उपभोक्ता समूह के सदस्य शामिल हों । मैं वन विभाग के साथ वन उपभोक्ता समूह के संबंध को विकसित करने में मदद करूंगा और वन उपभोक्ता समूह के कार्यों को प्रचारित-प्रसारित भी करूंगा ।

छोन्गबा लामा

मैं निम्न लिखित कार्य करूंगा

- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के विकास के लिए कार्य करूंगा ।
- अपने गाँव विकास समिति को सहयोग करूंगा
- चूँकि बहुत से लोग सामुदायिक वानिकी के विषय में नहीं जानते हैं इसलिए उन्हें इसके विषयमें अवगत कराउँगा ।
- सामुदायिक वन से संबंधित कार्यों में अधिक समय लगाउँगा ।
- सामुदायिक वन से अधिक आय प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी ताकि गाँव का विकास हो ।

भीमलाल सुवेदी

"वन उपभोक्ता समूह के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए नारे की अपेक्षा व्यावहारिक कार्यों की अधिक आवश्यकता है । संस्थागत विकास को कार्यान्वयन करने के लिए गाँव विकास समिति, जिला विकास समिति और दूसरी संस्थाओं के बीच समन्वय आवश्यक है । मैं व्यक्तिगत रूपसे गाँव और देश के विकास में मदद करूंगा और साथ ही गाँव में एकता लाने के उद्देश्य से कार्य करूंगा ।

वर्ण थापा

सरकारी स्तर और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच समझदारी कायम करते हुए मैं स्थानीय समुदायों और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच समन्वय लाने का प्रयास करूंगा । व्यक्तिगत स्तर पर संस्था की तरफ से मैं इसमें मदद करने के लिए भी हमेशा तैयार रहुंगा ।

ज्ञान बहादुर तामाङ

लिङ्ग समानता की ओर खास ध्यान देते हुए मैं हमेशा सामुदायिक वन विकास के लिए हमेशा कार्य करते रहने का प्रयास करूंगा । मैं सामुदायिक आफिसों में गैर लाभान्वित वर्गों और निर्धन लोगों को कार्य करने का मौका दुंगा । मैं वन उपभोक्ता समूह को सामुदायिक वानिकी से संबंधित कानूनों प्रति अधिक सचेत करने की कोशिश करूंगा ।

मुरारी खनाल

मैं निम्नलिखित कार्य करूंगा

- वन उपभोक्ता समूह को प्रतिदिन एक घंटा समय दुंगा ।
- सच्चे अर्थों में घर विहिन लोगों की पहचान करूंगा ।
- आय आर्जन के लिए वन के वैकल्पिक स्रोतों की ओर अग्रसर होना ।
- मिट्टी स्खलन की समस्या पर कार्य करना
- ऐसे रास्तों की खोज करना वन विकास के लिए तकनीकि सहयोग दे ।

जुनेली श्रेष्ठ

कार्यशाला गोष्ठी के दौरान मैंने जो ज्ञान हासिल किया है, उसे लोगों के साथ बांटुंगी । मैं निरंतर रूप से महिलाओं को सामाजिक कार्यों में संलग्न कराने और सामान्य महिलाओं के शक्ति सम्पन्न करने की प्रक्रिया में प्रोत्साहित करूंगी । मैं अधिक से अधिक लोगों को सामुदायिक वानिकी के विषय में अवगत कराने की कोशिश करूंगी ।

प्रकाश माथेमा

मैं निम्न लिखित कार्य करूंगा

- सामुदायिक वन में स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं की भूमिका के विषय में सहकर्मियों और पेशावर साथियों के साथ अन्तर्क्रिया कार्यक्रम का विकास करना ।
- सामुदायिक वन से संबंधित विभिन्न कानूनों में दोहरेपन को खत्म करने के उद्देश्य से विचार विमर्श के स्तर को उठाना ।
- मेरे क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के बीच अन्तर्क्रिया कार्यक्रम आयोजन करना ।
- संबंधित मुद्दों के प्रति क्षेत्र-स्तरीय कर्मचारियों को संवेदनशील बनाना ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए मैं अधिक से अधिक कोशिश करूंगा ।

आरती श्रेष्ठ

- मैं उन लोगों को सामुदायिक वन के विषय में अवगत कराऊँगी जो इसके विषय में नहीं जानते ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह और दूसरे समूहों में सदस्य बनने में इच्छुक व्यक्तियों को अवसर प्रदान करूंगी ।
- गाँवो में आय मूलक प्रशिक्षण उपलब्ध कराऊँगी ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह में सभी सदस्यों को समान अवसर उपलब्ध कराऊँगी ।

किशोर चन्द्र दुलाल

- मैं इस बात से दृढ रूप से सहमत हूँ कि प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता होनी चाहिए और सभी समयों में पारदर्शिता के लिए प्रयत्नशील रहुँगा ।
- विकेन्द्रीकरण और सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह से संबंधित दोहरेपन और विरोधाभास को दूर करने वाले समाधान की खोज में हमेशा प्रयत्नशील रहुंगा ।
- मैं हेमशा स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के बीच समन्वय लाने का प्रयास करूंगा ।
- मैं वन उपभोक्ता समूह को सहयोग करूंगा और जिला परिषद को उन योजनाओं को स्वीकृत करने के लिए दबाव दुंगा ।
- मैं हमेशा यह कोशिश करूंगा कि उपभोक्ताओं को सभी विकास के कार्यक्रमों में शामिल करूं ।

सावित्री कुमारी भट्टराई

मैं शपथ लेती हूँ कि स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और वन उपभोक्ता समूह के बीच समन्वय लाने का प्रयास करूंगी । मैं पर्यावरण के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील रहुंगी और, मैं महिलाओं और निर्धनों के बीच चेतना फैलाने का प्रयास करूंगी । दूसरी संस्थाओं के साथ बैठकों के दौरान मैं वन संबंधित ज्ञान का आदान प्रदान करूंगी ।

सूर्य प्रसाद अधिकारी

कानूनी मुद्दे से संबंधित समस्याओं को सुल्झाने के लिए मैं कार्य करूंगा

- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह को वन संरक्षण, व्यवस्थापन और उपयोग का सम्पूर्ण अधिकार दिलाने का प्रयत्न करूंगा ।
- इस बात को सुनिश्चित करने की कोशिश करूंगा कि निर्वाचित, स्थानीय संस्थाएं सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह को सकारात्मक सहयोग देते हैं ।
- महिलाओं और दबाए हुए लोगों को सामुदायिक प्रतिनिधि बनने का मौका उपलब्ध कराऊँगा ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह और स्थानीय संस्थाओं को २०४९ वन कानून और २०५१ घन विधान का विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना ।

बिन्दू मिश्र

"महिलाओं को शक्ति सम्पन्न करने के विभिन्न तरीकों के खोज संबंधित कार्य करूंगी । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के विकास कार्यों में प्रगतिशीलता लाने के उद्देश्य से मैं

विभिन्न संस्थाओं के साथ संपर्क करूंगी और इन विकास के कार्यों मैं स्वयं ही लागू करने की कोशिश करूंगी । साथ ही विभिन्न मुद्दों की पहचान करने के बाद मैं अर्न्तक्रिया कार्यक्रमों की आयोजना करूंगी ।"

बहादुर रोकाया

"मेरे जिले कंचनपुर में सामुदायिक वन का हस्तांतरण नहीं किया गया है । इस जिले में टिम्बर की तस्करी बहुत ही आम बात है । गरीब लोग वृक्षों की कटाई करते हैं, अगर यह ऐसा ही रहा तो यह क्षेत्र मरूभूमि हो जाएगा । टिम्बर की तस्करी को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि वन के मुद्दों से ग़रीब लोगों को अवगत कराया जाए । हमें उन्हें वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, जिससे वे निश्चित रूप से रोजगार और आय आर्जन कर सकेंगे ।"

महेश हरी आचार्य

"मैं व्यक्तिगत स्तर पर सामुदायिक वन से संबंधित कानून, नीतियों और नियमों पर विचार करूंगा और इन जानकारीयों को व्यक्तियों, समूहों और संस्थाओं को उपलब्ध कराऊँगा ।"

- कर्मचारियों को वन उपभोक्ता समूह और स्थानीय संस्थाओं के बीच समन्वय लाने के लिए प्रत्यक्ष निर्देशन देना ।
- महिलाओं को शक्ति सम्पन्न करने के उद्देश्य कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आयोजना महिलाओं की क्षमता में विकास लाने वाले कार्यों की आयोजना करने के लिए गैर-सरकारी संस्थाओं, अन्तर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्थाओं, और समुदाय आधारित संस्थाओं को आग्रह करना ।

बी.आर. पौड्याल

मैं निर्वाचित इकाईयों को सामुदायिक वन के विषय में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कार्य करूंगा और वन विभाग के निर्देशिकाओं और नीतियों को लागू करने के कार्य में तत्पर रहुंगा । क्षेत्रीय भ्रमण में प्राप्त जानकारियों को वन विभाग को उपलब्ध कराऊँगा ।

लक्ष्मी भंडारी

मैं वन विकास के लिए कार्य करते समय राजनीति से अपने आप को अलग रखुंगी और हमेशा ही महिलाओं के अधिकार को स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील रहुंगी ।

विभिन्न संस्थाओं के साथ संपर्क करूंगी और इन विकास के कार्यों मैं स्वयं ही लागू करने की कोशिश करूंगी । साथ ही विभिन्न मुद्दों की पहचान करने के बाद मैं अर्न्तक्रिया कार्यक्रमों की आयोजना करूंगी ।"

बहादुर रोकाया

"मेरे जिले कंचनपुर में सामुदायिक वन का हस्तांतरण नहीं किया गया है । इस जिले में टिम्बर की तस्करी बहुत ही आम बात है । गरीब लोग वृक्षों की कटाई करते हैं, अगर यह ऐसा ही रहा तो यह क्षेत्र मरूभूमि हो जाएगा । टिम्बर की तस्करी को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि वन के मुद्दों से ग़रीब लोगों को अवगत कराया जाए । हमें उन्हें वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, जिससे वे निश्चित रूप से रोजगार और आय आर्जन कर सकेंगे ।"

महेश हरी आचार्य

"मैं व्यक्तिगत स्तर पर सामुदायिक वन से संबंधित कानून, नीतियों और नियमों पर विचार करूंगा और इन जानकारीयों को व्यक्तियों, समूहों और संस्थाओं को उपलब्ध कराऊँगा ।"

- कर्मचारियों को वन उपभोक्ता समूह और स्थानीय संस्थाओं के बीच समन्वय लाने के लिए प्रत्यक्ष निर्देशन देना ।
- महिलाओं को शक्ति सम्पन्न करने के उद्देश्य कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आयोजना महिलाओं की क्षमता में विकास लाने वाले कार्यों की आयोजना करने के लिए गैर-सरकारी संस्थाओं, अन्तर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्थाओं, और समुदाय आधारित संस्थाओं को आग्रह करना ।

बी.आर. पौड्याल

मैं निर्वाचित इकाईयों को सामुदायिक वन के विषय में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कार्य करूंगा और वन विभाग के निर्देशिकाओं और नीतियों को लागू करने के कार्य में तत्पर रहुंगा । क्षेत्रीय भ्रमण में प्राप्त जानकारियों को वन विभाग को उपलब्ध कराऊँगा ।

लक्ष्मी भंडारी

मैं वन विकास के लिए कार्य करते समय राजनीति से अपने आप को अलग रखुंगी और हमेशा ही महिलाओं के अधिकार को स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील रहुंगी ।

गुमान ध्वज कुँवर

"निम्न लिखित कार्य महत्वपूर्ण हैं

- वन उपभोक्ता समूह बनाना और वन संरक्षण से संबंधित जानकारी और सलाह उपलब्ध कराना । साथ ही वन विभाग और वन उपभोक्ता समूह के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाना ।
- लोगों के निर्णय के अनुसार वन उपभोक्ता समूह को विकास के कार्यो की ओर उन्मुख करना ।
- गाँव के जीवन के विकास के लिए शिक्षा, स्वस्थ्य, कृषि, बाजार और पीने के पानी को प्राथमिकता देना ।
- इस बात को सुनिश्चित करना कि महिलाओं द्वारा दिए गए सलाहों को निर्णय की प्रक्रिया में शामिल किया गया है या नहीं ।
- वन उपभोक्ता समूह में लिए गए निर्णयों को परिवार के सदस्यों को अवगत कराना ।

वन व्यवस्थापन, विकास और सफाई से संबन्धित कार्यो को आरंभ करूंगा । यदि मैं इन कार्यो को स्वयं ही आरंभ करूंगा तो दूसरों के लिए मैं उदाहण बन सकता हूँ ।

देवी अधिकारी

सामुदायिक विकास में राजनीतिकरण को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए । इसी तरह सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह में सदस्यता की प्रक्रिया में वर्ग, जाति और गरीबी रूकावट नहीं होनी चाहिए । इसलिए मैं उन लोगों को सहयोग करूंगी जिन्हें इन सबसे बाहर रखा गया है । मैं गाँव विकास समति, जिला विकास समिति और जन प्रतिनिधियों के सलाह से लाभान्वित होने की कोशिश करूंगी ।

ईश्वर पोखेल

"व्यक्ति स्तर पर मैं निम्न लिखित कार्य करूंगा"

- वन उपभोक्ता समूह में महिलाओं की ५० प्रतिशत सहभागिता के पक्ष में मैं आवाज उठाऊँगा ।
- मैं आर्थिक रूप से पिछडे हुए लोगों को सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करूंगा ।
- वन संबन्धित कार्यो में राजनीतिकरण को प्रवेश नहीं करने दूंगा ।
- मैं एकता की भावना को बनाए रखने के लिए कार्य करूंगा ।

घंट प्रसाद अर्याल

"मैं निम्न लिखित कार्य करूंगा"

- सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के लिए आय-मूलक कार्यो का विकास करना और गाँव के विकास इस आय का उपयोग करना ।
- महिलाओं को वन उपभोक्ता समूह में सहभागी होने के लिए प्रोत्साहित करना ।
- वन विभाग, 'गाँव विकास समिति' और 'जिला विकास समिति' के सलाह से विकास के कार्यो का संचालन करना ।
- यह देखना कि 'वन उपभोक्ता समूह' विकास संबन्धित कार्यो के लिए निर्णय लेता है या नहीं ।
- पर्यावरण को साफ और हरा-भरा रखने के लिए कार्य करना ।

राम शरण घिमीरे

"मैं अपने 'वन उपभोक्ता समूह' में महिला सहभागियों की संख्या बढाने की कोशिश करूंगा और महिलाओं के अधिकार के लिए आवाज उठाऊंगा । वन संम्पत्ति के उपयोग के उद्देश्य मैं यह विचार विमर्श करूंगा कि किस तरह वन उपभोक्ता समूह स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के साथ अच्छा संबंध कायम करे । वन उपभोक्ता समूह द्वारा उपयोगित वन से संबन्धित परस्पर विरोधि कानूनों के तुलनात्मक अध्ययन की तैयारी करूंगा । मैं अपने साथियों को इस कार्यशाला गोष्ठी विचारों और निर्णयों से अवगत कराऊँगा ।

दिलराज खनाल

"मैं निम्नलिखित कार्य करूंगा

- प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन से संबंधित दोहरे अर्थ वालो कानूनों के संशोधन के लिए कार्य करूंगा ।
- सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्राकृतिक स्रोतों के प्रति उनके अधिकारों से अवगत कराऊँगा और साथ ही प्राकृतिक स्रोतों के प्रति लोगों का अधिकार और बढे, इसके लिए प्रयत्नशील रहुँगा ।
- प्राकृतिक स्रोत उपयोग संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए विकल्प की खोज करना और व्यवहारिक रूप में इन्हें लागू करने के लिए कार्य करना
- वन उपभोक्ता समूह के विरूद्ध कोर्ट दायर किए गए मुकदमें के विरूद्ध में स्वयंसेवक की हैसियत से लडना ।

कमला शर्मा

मैं महिलाओं को अपने कार्य में शामिल करूंगी और साथ ही मेरे कार्य निम्न लिखित होंगे

- पुरूषों और महिलाओं के भेद-भाव के प्रति सचेत करना ताकि महिलाएं गृह-अवरोधों से मुक्त हो सकें ।
- निर्णय निर्माण प्रक्रिया में महिलाओं को आगे लाना ।
- इस बात को सुनिश्चित करना कि उपभोक्ता समिति में महिलाओं की सहभागिता 50 प्रतिशत हो ।"

मोहन थापा प्याकुरेल

"व्यक्तिगत स्तर पर मैं निम्नलिखित कार्य करूंगा

- विभिन्न संस्थाओं के साथ सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के समूह को विकसित कर बरकरार रखना और अपना समूह सहयोग उपलब्ध कराना ।
- वन व्यवस्थापन से संबंधित अन्तर्क्रिया कार्यक्रम आयोजित करना ।
- वन व्यवस्थापन और निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में विभिन्न वर्गों के लोगों को सहभागी होने के लिए अवसर प्रदान करना ।
- विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ विकेन्द्रीकरण और उपभोक्ता के अधिकार संबंधि ज्ञान को बाटना ।
- महिलाओं की सहभागिता को बढाना ।
- वन उपभोक्ता समूह के साथ वन व्यवस्थापन संबंधि सभाओं की आयोजना करना ।

हरी प्रसाद न्यौपाने

"मैं हमेशा उपभोक्ता समूह के अधिकारों के संरक्षण में सहयोग दुंगा । साथ ही निर्णय निर्माण प्रक्रिया में साधारण सहमति को हमेशा प्रोत्साहित करता रहुंगा ।"

गणेश तिमिल्सिना

- उन स्थानों पर जहां सामुदायिक वन नहीं हैं वहाँ इसकी शुरूआत करने के लिए लोगों को उत्साहित करना ।
- मैं सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह में महिलाओं की सहभागिता समान हो इसके लिए प्रयत्न करूंगा ।

- मैं स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह को समन्वयक वातावरण में कार्य करने के लिए प्रेरित करूंगा ।

कुल बहादुर केसी

विकास के उद्देश्य से मैं जडी-बुटी की खेती को प्राथमिकता दुंगा ।

गणेश श्रेष्ठ

मैं स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के बीच मध्यस्थ का कार्य करूंगा और विकेन्द्रीकरण और वानिकी से संबंधित विवादस्पद और दोहरे अर्थ से युक्त कानूनों के विषम में लोगों में चेतना फैलाऊँगा । मैं उस संस्था में जिसका कि मैं प्रतिनिधि हूँ, इस कार्यशाला गोष्ठी के दौरान प्राप्त किए गए अनुभव को, प्रकाशित करूंगा । मैं अपने जिले में सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह के बीच एक दिवसीय कार्यशाला आयोजना करूंगा ।

संस्थागत स्तर

सरकारी संस्थाएं

- वन कानून 2049 और वन विधान 2052 के परिचालन के दौरान पायी जाने वाली समस्याओं और रूकावटों के समाधान की शुरूआत करना । क्योंकि ये समस्याएं और रूकावटें कार्यशालाओं, सेमिनारों और क्षेत्र-भ्रमण के दौरान पहचाने जा चुके हैं ।
- सामुदायिक वन व्यवस्थापन के प्रत्येक पक्ष पर स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और वन उपभोक्ता समूह के बीच अन्तर्क्रिया की आयोजना करना ।
- वन उपभोक्ता समूह क्रियाकलाप संबंधित पारदर्शिता बरकरार रखने की शुरूआत करना और साथ ही उन्हें अपने विवरणों को उचित तरीके से प्रबंधित करने के लिए प्रोत्साहित करना ।
- क्षमता निर्माण प्रशिक्षण की आयोजना करना और यह देखना कि वन उपभोक्ता समूह अपने कार्यक्रम विवरण को नियमित रूप से भेजें ।
- वन व्यवस्थापन तकनीकि और क्षमता प्रदान करने और प्रत्येक गाँव एवं मुहल्ले से महिलाओं के नामांकन और चयन के लिए तथा उनन्त जिला स्तर पर आयोजित अध्ययन भ्रमण में भाग लेने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं की आयोजना करना ।

वन उपभोक्ता समूह और गैर-सरकारी संस्थाएं

- वन उपभोक्ता समूह का स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के साथ संबंध
- स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के समन्वय से वन उपभोक्ता समूह के निम्नलिखित कार्यों का परिचालन करना, उपभोक्ताओं और उपभोक्ता समूहों के बीच सामुदायिक वन विकास, और विवाद समाधान ।
- स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के वन उत्पाद संबंधि कार्यों में सहयोग देना ।
- सामुदायिक वन आधारित आय मूलक कार्यों को शुरू और लागू करना ।
- वन उपभोक्ता समूहस्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के सहयोग सें सामाजिक विकास कार्यों का आरंभ करे, जैसे कि शिक्षामूलक कक्षाओं का आयोजन, जन स्वास्थ्य कार्यक्रम, पीने के पानी की योजनाएं, और छोटी-छोटी जीवन संबन्धी कार्य योजनाओं का आरंभ और विकास ।
- सामुदायिक वानिकी में वृक्षों के प्रवर्धन, कटाई, रोपाई आदि से संबंधित कार्य कलापों के लिए संबंधित निकायों से सहयोग की मांग ।
- समुदाय सभाओं में महिलाओं, निर्धनों, सीमान्त और गैर लाभान्वित वर्गों को शामिल करना और निर्णयों को उनके सहमति के आधार पर लागू करना । शिक्षा संबन्धी कार्यक्रम, महिला साक्षरता कार्यक्रम से संबंधित आवश्यकताओं की उपलब्धि ।
- नेटवर्क प्रणाली के माध्यम से वन-उपभोक्ता समूहों के बीच स्व-सहयोग कार्यक्रमों की आयोजना ।
- अध्ययन भ्रमण के माध्यम से वन उपभोक्ता समूह संबंधित समस्याओं की पहचान और उनका समाधान ।
- सामुदायिक वन के साधनों के माध्यम से वन उपभोक्ता समूह के कार्यों को सामाजिक और सामुदायिक विकास की ओर उन्मुख ।
- संबंधित संस्थाओं को सलाह की उपलब्धि ताकि वे वन और दूसरे निकायों से संबंधित कानूनों में संशोधन कर सकें, जिससे ये संस्थाएं जनमुख और प्रगतिशील हों । सेमिनार, कार्यशाला गोष्ठी और अन्तर्क्रिया कार्यक्रमों की आयोजना की जाएगी और विकास के लिए संबंधित संस्थाओं पर दबाव डाला जाएगा ।
- वन क्षेत्रों का संबंधित संस्थाओं की मदद से फिर से संवेक्षण किया जाएगा ।
- संस्थागत विकास और वन उपभोक्ता समूह को मजबूत बनाने के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम किए जाएंगे ।
  - उपयुक्त विवरण रखना
  - उपयुक्त लेखा व्यवस्थापन
  - नियमित लेखा परिक्षण

- पंजीकरण संप्रेषण की नियमितता
- यदि वन उपभोक्ता समूह के पास बजट से अधिक अर्थ कोष हो तो निर्धन समूहों को कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना ।

- नियमित बैठकों और साधारण सभाओं की नियमित आयोजना ।
- बैठकों के निर्णयों का नियमित संप्रेषण और प्रत्येक महीने में इन निर्णयों का जन-सूचना पट्टी पर प्रकाशन ।
- वन उपभोक्ता समूह में महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहन, समान सहभागिता की अवधारणा का परिचालन, और महिलाओं के 50 प्रतिशत सहभागिता के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर अग्रसर होना ।

स्थानीय निर्वाचित संस्थाएं

- नीति निर्धारण स्तर पर वन उपभोक्ता समूह को शामिल करना ।
- वन उपभोक्ता समूह के अवधिमूलक कार्यक्रमों को स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं के अवधिमूलक कार्यक्रमों में शामिल करना । विभिन्न वन उपभोक्ता समूह के बीच समन्वय समिति का निर्माण ।
- जिला स्तरीय वन उपभोक्ता समूह संघ (फेकोफन), जिला वन अधिकृत और जिला विकास समिति के द्वारा संयुक्त वन व्यवस्थापन प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजना ।
- निर्णय निर्माण के माध्यम से स्थानीय लोगों को बंजर और गैर कृषि जमीनों पर वन निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना चाहे वे सार्वजनिक या नीजि जमीन हों ।
- लोगों को अपने जमीनों को उत्पादन मूलक बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीजि बंजर और सूखे जमीनों से कर संकलन ।
- सभी सार्वजनिक संस्थाओं और समितियों में महिलाओं कि संख्या 50 प्रतिशत हो इसके लिए उपयुक्त नीति बनाना ।
- स्वयं अपने द्वारा संकलित अर्थ के माध्यम से वन आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए वन उपभोक्ता समूह को आकर्षित करना ।
- प्रभावकारी तरीकों से विवरण रखने के पद्धति को नियमित करना ।
- स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों के तकनीकि पक्ष को कार्यान्वित कराने के लिए प्रतिबद्ध होना ।
- गाँव विकास समिति, जिला विकास समिति और रेंज पोष्ट के संयुक्त तत्वावधान में गाँव स्तरीय वन व्यवस्थापान प्रशिक्षण और कार्यशालाओं की आयोजना ।

राष्ट्रीय स्तर

- विकेन्द्रीकरण और वन संबन्धित नियमों, कानूनों नीतियों और विधानों में समन्वय, पूरकत्व और आवश्यक संशोधन के लिए संबन्धित इकाईयों के बीच राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के कार्यशालाओं का आयोजना करना और आवश्यक सलाह उपलब्ध

कराना । इसीमोड के सहयोग से ए.डी.डी.सी.एन., फेकोफन और हिमवन्ती के अध्यक्ष कार्यशालाओं की आयोजना करेगें ।

- वन आधारित आयमूलक कार्यकलापों (जडीबूटी औषधि, वन्यजन्तु, पर्यावरण, जैविक विषमता आदि) के विषय में अनुभवों के आदान प्रदान और उपयुक्त नीतियों निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं की आयोजना करना, इस कार्य में इसीमोड से फिर संपर्क किया जाएगा ।
- सरकारी संस्थाओं, गैर-सरकारी संस्थाओं, समुदाय आधारित संस्थाओं और वन उपभोक्ता समूह के साथ महिला वन उपभोक्ता समूह, स्थानीय प्रतिनिधि और महिला तकनीकि कर्मचारियों की राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला गोष्ठी की आयोजना करना ।

अन्तरर्देशीय स्तर

- हिन्दू कुश-हिमालय सम्पूर्ण क्षेत्र को शामिल करने वाले एकीकृत कार्यक्रमों पर नियमित रूप से कार्यशाला और सेमिनारों की आयोजना करना ।
- उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय स्तर की संस्था बनाना ।

बांगलादेश

व्यक्तिगत स्तर

<u>डा. एम.एम. खान</u>

- दूसरे देशों में खासकर दक्षिण एशिया में सामुदायिक वन और स्थानीय प्रशासन के सफल नमूनों की निरंतर खोज ।
- चिटगाँव पर्वतीय क्षेत्र में सामुदायिक वन और स्थानीय प्रशासन प्रणाली को समझने के लिए शोधकार्य आरंभ करना, यदि आर्थिक मदद उपलब्ध हो तो । इस शोध का मुख्य उद्देश्य होगा वन कार्यक्रमों के कमजोरियों को प्रकाशित करना ।
- चिटगाँव पर्वतीय क्षेत्र में सामुदायिक वन और स्थानीय प्रशासन की ओर सहकर्मियों और विद्यार्थीयों का ध्यान आकर्षित करना ।
- स्थानीय और राष्ट्रीय विकास में चिटगाँव पर्वतीय क्षेत्र के सामुदायिक वन और स्थानीय प्रशासन के भूमिका पर मशहूर सेमिनारों में व्याख्यान देना । उसी तरह महिलाओं एवं निर्धनों की संस्थाओं में सहभागिता वृद्धि की आवश्यकता पर ध्यान केन्द्रित करना ।

संस्थागत स्तर

चिटगाँव पर्वतीय क्षेत्र में सामुदायिक वन व्यवस्थापन एवं स्थानीय प्रशासन को मजबूत करने से संबंधित ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए जन प्रशासन विभाग, ढाका विश्वविद्यालय को एक मंच के रूप में उपयोग करना ।

- प्राकृति स्रोत व्यवस्थापन विषय (पठन-पाठन में) में नए विषय, जैसे सामुदायिक वन के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के विषय वस्तु को शामिल करना ।

राष्ट्रीय स्तर

विभिन्न निकायों, गैर-सरकारी संस्थाओं, दाताओं और शिक्षित समुदायों के सदस्यों के सहयोग से कार्यशालाओं और माध्यम सें नीति निर्माण कों को व्यावहारिक और मजबूत स्थानीय प्रशासन प्रणाली, और अत्यन्त आवश्यक एवं महिलाओं और निर्धनों की सहभागिता की आवश्यकता पर आधारित सामुदायिक वन के लिए सहमत करना ।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर

बांगलादेश में सफल नमूनों (सामुदायिक वन और स्थानीय प्रशासन के) को ग्रहण करने के उद्देश्य से दक्षिण एशिया के विद्वानों और अभ्यासकर्मियों के साथ और अधिक अन्तर्क्रिया की आयोजना करना । इतना ही नहीं प्राप्त अनुभवों को और भी परिमार्जित कर बांगलादेश में लागू करना ।

पाकिस्तान

<u>व्यक्तिगत/संस्थागत स्तर</u>
अलि गोहर एवं जोहरा खानम

ए.के.आर.एस.पी. (आगा खाँ ग्रामीण सहयोग परियोजना)

- संबंध एवं वकालत
- क्षमता निर्माण
- योजना निर्माण
- लेखा जोखा एवं मूल्याकंन
- तकनीकि विकास
- सामाजिक संस्था
- संस्था निर्माण

हैदर खान

- नीति निर्माण
- आर्थिक स्रोतों के लिए प्रयत्न
- वकालत
- मध्यस्थता

शफा अली

- सामाजिक परिचालन
- संबंध
- जरुरतों की पहचान
- गाँव स्तरीय योजनाएं

मुहम्मद इकबाल

- नोकरशाही दृष्टिकोण से तकनीकि दृष्टिकोण की ओर अग्रसर
- सामुदायिक शक्ति संवर्धन में मदद पहुंचाने वाले नियमों और नीतियों का निर्माण
- कर्मचारियों के बीच क्षमता निर्माण
- शिक्षा, विस्तार, और प्रशिक्षण संबंधी क्रियाकलापों का प्रारंभ ।

अलिगोहर द्वारा प्रस्तुत

गाँव-स्तर

इस स्तर पर विभिन्न गाँव-स्तरीय संस्थाओं के साथ, जैसे कि निर्वाचित परिषद, विभिन्न स्वयं सेवक संस्थाओं, महिला संस्थाओं, गैर-सरकारी संस्थाओं और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं की पहचान करना । गाँव स्तरीय सरकार प्रशासनिक, और, दूसरे जन संस्थाओं जैसे कि वन विभाग का क्षेत्रीय कार्यालय, तवसिलदार और स्वास्थ्य तथा शैक्षिक संस्थाओं को भी शामिल किया जाना चाहिए । इनके क्षमता निर्माण को मजबूत बनाया जाना चाहिए, उनकी जरूरतों को पहचाना जाना चाहिए और उन जरूरतों को ठोस कार्यक्रमों में उतारा जाना चाहिए । नेटवर्क और संपर्क प्रणाली को स्थापित किया जाना चाहिए । ऐसी नेटवर्क प्रणाली को विवाद व्यवस्थापन के लिए प्रथम स्तर में उपयोग किया जा सकता है । साथ ही आदान प्रदान किए गए अनुभवों के माध्यम से स्थानीय तकनीकि का विकास किया जा सकता है ।

जिला स्तर

जिला स्तरीय संस्थाओं में जिला परिषद, जिला वन कार्यालय, स्वयंसेवक और महिलाओं की संस्थाओं के प्रतिनिधि और दूसरे जिला स्तरीय संस्थाएं आती हैं ।

उनके निम्न लिखित कार्य होने चाहिए

- नीति प्रस्तावना
- समन्वय
- विकास मूलक रूपरेखा
- लेखा-जोखा
- आर्थिक सहयोग
- विवादों का समाधान एवं व्यवस्थापन

उत्तर क्षेत्रीय स्तर

इस स्तर की संस्थाओं के अन्तर्गत उत्तर क्षेत्रीय परिषद, गैर-सरकारी संस्थाए/ अन्तर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संस्थाएं, वन संरक्षक और प्रमुख वन संरक्षक, वन संस्था और दूसरी संस्थाए आती हैं ।

कार्य

- इस विस्तृत स्तर पर नीति निर्माण
- अर्थ व्यवस्था : योजनाओं की स्वीकृति और परियोजनाएं
- जिला स्तरीय संस्थाओं को सहयोग
- विवाद समाधान एवं व्यवस्थापन
- आवश्यक कानून पुनर्निमाण के लिए दबाव
- प्रत्येक स्तर पर लैंगिक सहभागिता को सहमति और बल प्रदान करना ।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर

इनके अन्तर्गत शोध संस्थां, शैक्षिक संस्थाए एवं गैर-सरकारी और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाए आती हैं ।

कार्य

- सूचना आदान-प्रदान, समन्वय और विकास तथा कार्यशाला के माध्यम से तकनीकि आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रम अध्ययन भ्रमण, और दूसर क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सभाएं ।

- विभिन्न प्रकार के शोध पर आधारित तकनीकि सलाह, साथ ही निर्देशक परियोजनाएं, तुलनात्मक अध्ययन ।
- प्रस्तावित नीतियों को स्वीकृति ।
- आर्थिक स्रोतों का सामान्यीकरण ।

डा. महेश बाँसकोटा द्वारा समापन भाषण

डॉ. बाँसकोटा ने अपने समापन भाषण में कहा कि वे सहभागियों के व्यक्तिगत और संस्थागत प्रतिवद्धता से काफी प्रभावित हुए हैं । स्थानीय निर्वाचित संस्थाओं और सामुदायिक वनों के बीच पहचान बनाने में उनकी इच्छा को प्रदर्शित करता है । डा. बाँसकोटा ने कहा कि ये योजनाएं 'इसीमोड' के लिए बहुत ही संतोषजनक हैं । क्योंकि इनके माध्यम से यह पता चला है कि इस कार्यशाला ने हिन्दू कुश-हिमालय क्षेत्र के विभिन्न देशों में प्रक्रियाओं के शुरूआत करने में अपने उद्देश्य को प्राप्त किया है । उन्होंने कहा कि 'इसीमोड' हमेशा ही सहभागियों के अनुभवों से जानकारी प्राप्त करने में इच्छुक रहेगा और साथ ही विभिन्न संस्थाओं को सहयोग देने के लिए तरीको और साधनों की खोज की ओर सतत प्रयत्नशील रहेग ।

'इसीमोड' की तरफ से उन्होंनें कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया और घर के लिए प्रस्थान करने में सुरक्षित यात्रा की कामना भी की ।